ग्रीन फील्ड कॉरिडोर के खिलाफ किसानों की ट्रैक्टर रैली

- किसानों ने कहा - बेवजह ली जा रही है जमीन, मुआवजा भी अपर्याप्त

इंदौर. सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत इंदौर से उज्जैन के बीच प्रस्तावित ग्रीन फील्ड कॉरिडोर को लेकर किसानों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया. हातोद और सांवेर क्षेत्र के सैकड़ों किसान ट्रैक्टरों पर सवार होकर हातोद से इंदौर तक रैली निकालते हुए पहुंचे. किसानों ने आरोप लगाया कि शासन इस सड़क के नाम पर उनकी उपजाऊ जमीनें बिना उचित मुआवजा दिए अधिग्रहित कर रहा है.

शासन ने सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए इंदौर-उज्जैन के बीच नई सड़क बनाने की मंजूरी दी है. इस परियोजना को ग्रीन फील्ड कॉरिडोर नाम दिया है, जिसके तहत 28 गांवों की जमीनें अधिग्रहित की जा रही हैं, जिनमें से 20 गांव सांवेर और हातोद तहसील के हैं, जबकि शेष गांव उज्जैन जिले में आते हैं. प्रस्तावित सड़क हातोद से कांकरिया, अजदोन, चंद्रावतीगंज होते हुए उज्जैन के चिंतामण गणेश मंदिर क्षेत्र तक जाएगी. बुधवार को विरोध स्वरूप किसानों ने हातोद से गांधी नगर, सुपर कॉरिडोर, नावदा पंथ मार्ग होते हुए सिरपुर तक ट्रैक्टर रैली निकाली. बड़ी संख्या में ट्रैक्टरों के सड़क पर उतरने से धार रोड पर करीब दो घंटे तक यातायात बाधित रहा. सिरपुर पहुंचने के बाद किसान कलेक्टर कार्यालय तक पैदल मार्च निकालने की तैयारी में थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया. इस दौरान किसानों और पुलिस के बीच कुछ देर बहस भी हुई, बाद में एसडीएम और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और किसानों से ज्ञापन लिया. किसानों ने कहा कि सरकार बिना आवश्यकता नई सड़क बना रही है, जबकि इंदौर-उज्जैन मार्ग पहले से ही छह लेन और देवास-उज्जैन रोड फोरलेन हो चुका है. ऐसे में सिंहस्थ के बहाने जमीनें छीनी जा रही हैं. किसानों ने भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि कोई भी दल ग्रामीणों की बात नहीं सुन रहा.

ढोस कार्रवाई नहीं होने तक जारी रहेगा आंदोलन

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि भूमि अधिग्रहण रद्द नहीं किया और मुआवजा नीति पारदर्शी नहीं बनी तो आंदोलन और उग्र रूप लेगा. किसानों ने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्यवाही नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा. उन्होंने यह भी कहा कि ग्रीनफील्ड कॉरिडोर और भावांतर योजना के नाम पर खेती-किसानी के साथ हो रहे अन्याय को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. आंदोलन में प्रमुख रूप से जीवनसिंह शेरपुर, किसान नेता राधेश्याम पटेल, ऋषिराज सिसोदिया, बबलू जाधव, मोतीसिंह पटेल, रविंद्र चौधरी, चंदन सिंह बड़वाया, शिव सिंह, सरपंच जितेंद्र (वकील साहब) आदि किसान नेता उपस्थित थे.

इलाज में लापरवाही उजागर, हर्ष क्लीनिक सील

- मरीज की मौत के बाद जांच में खुली अनियमितताओं की परतें

इंदौर. एक मरीज की संदिग्ध मृत्यु के बाद हुई जांच में इलाज में गंभीर लापरवाही और अनियमितताएं सामने आने पर प्रशासन ने हर्ष क्लीनिक को सील कर दिया. कार्रवाई कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर की गई.

सीएमएचओ डॉ. माधव हासानी ने बताया कि मीडिया में मरीज की मौत की खबर प्रकाशित होने और शिकायत मिलने के बाद डॉक्टरों की एक टीम गठित की गई थी. टीम ने क्लीनिक पहुंचकर विस्तृत निरीक्षण किया और पंचनामा तैयार किया.

सुरक्षा से समझौता करने वालों पर होगी कार्रवाई

ड्रग कंट्रोलर अथॉरिटी को भी सूचना दी गई है ताकि दवाओं के भंडारण और वितरण से संबंधित अलग से जांच की जा सके. प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मरीजों की सुरक्षा से समझौता करने वाले किसी भी संस्थान के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी.

जांच के दौरान डॉक्टरों की टीम में डॉ. रिथानी अहीरवाल, डॉ. निश्चला गुप्ता, डॉ. अर्चना मानसिंह, डॉ. शैतान सिंह, डॉ. सीमा इंग्ले तथा जूनी इंदौर थाना प्रभारी अनिल गुप्ता शामिल थे. टीम ने डॉ. ज्ञान पंजवानी और डॉ. श्रीचंद बागेचा की मौजूदगी में क्लीनिक खुलवाया. निरीक्षण में पाया गया कि क्लीनिक में 15 बेड का अस्पताल संचालित किया जा रहा था. बड़ी मात्रा में एलोपैथिक दवाओं का भंडारण किया था, जिनमें कई दवाएं बिना लेबल, बिना कंपनी नाम और निर्माण एक्सपायरी तिथि के मिलीं. कई शिशु और वयस्क दवाएं खुली हालत में रखी हुई थीं. जांच दल को उस मरीज की बीमारी से संबंधित कोई दस्तावेज या रिकॉर्ड भी नहीं मिला, जिसकी मृत्यु का समाचार हाल ही में प्रकाशित हुआ था. टीम ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए क्लीनिक को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया.

कॉल फॉरवर्डिंग और लिंक के जरिए कंप्यूटर प्रोफेशनल से साइबर ठगी

- एक लाख से अधिक रुपए हड़पे

इंदौर. राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में एक कंप्यूटर प्रोफेशनल साइबर ठगी का शिकार हो गया. अज्ञात ठगों ने कॉल फॉरवर्डिंग और लिंक भेजने की चाल चलकर उसके खाते से एक लाख रुपए से अधिक की राशि उड़ा ली.

पीड़ित कंप्यूटर क्षेत्र से जुड़े प्रोफेशनल हैं. उन्हें एक अज्ञात कॉल आई, जिसमें व्यक्ति ने खुद को मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनी का प्रतिनिधि बताया. ठग ने कहा कि उनके सिम से जुड़ी कुछ तकनीकी समस्या है, जिसे ठीक करने के लिए एक लिंक भेजी जाएगी. लिंक खोलते ही कॉल फॉरवर्डिंग सक्रिय हो गई और कुछ ही देर में उनके मोबाइल पर बैंक ट्रांजेक्शन के मैसेज आने लगे. कुछ ही मिनटों में आरोपी ने पीड़ित के खाते से एक लाख रुपए से अधिक की रकम ट्रांसफर कर ली. मामला सामने आने पर पीड़ित ने तत्काल बैंक और पुलिस को सूचना दी. मामले में एसीपी जोन 1 आलोक कुमार शर्मा ने बताया कि राजेंद्र नगर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ आईटी एक्ट और धोखाधड़ी की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है. पुलिस साइबर सेल की मदद से ठग के मोबाइल नंबर और ट्रांजेक्शन ट्रेल की जांच कर रही है.

अज्ञात काल पर भरोसा न करें

उनका कहना है कि पुलिस ने नागरिकों को चेतावनी दी है कि किसी भी अज्ञात लिंक या कॉल फॉरवर्डिंग अनुरोध पर भरोसा न करें और ऐसी जानकारी मिलने पर तुरंत हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें.

एक नजर में

एमडी ड्रग्स के साथ युवक गिरफ्तार

इंदौर. क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस ने शहर में अवैध मादक पदार्थ एमडी की तस्करी में संलिप्त युवक कृष्णा राठौर चंदन नगर को गिरफ्तार किया है. आरोपी के कब्जे से लगभग 13.72 ग्राम एमडी बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 1,40,000 रुपए बताई जा रही है. क्राईम ब्रांच से मिली जानकारी के अनुसार कृष्णा राठौर नशा करने का आदी है और सस्ते दामों पर एमडी खरीदकर शहर में नशे के आदी लोगों को महंगे दामों पर बेचने की गतिविधियों में लिप्त था. क्राइम ब्रांच टीम ने श्री चैतन्य पंचमुखी हनुमान मंदिर, एमआर-04 रोड क्षेत्र में उसे संदिग्ध गतिविधि करते हुए देखा. पूछताछ के दौरान आरोपी भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन पुलिस ने उसे घेराबंदी कर पकड़ लिया. आरोपी के खिलाफ अपराध शाखा में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है. पुलिस ने बताया कि आरोपी से बरामद मादक पदार्थ जांच और साक्ष्यों के आधार पर कानूनी प्रक्रिया के तहत जब्त किया है.

नो एंट्री उल्लंघन करने वाले 12 वाहनों पर कार्रवाई

इंदौर. वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में नो-एंट्री नियम का पालन न करने वाले भारी वाहनों पर निगरानी रखी जा रही है. 7 अक्टूबर की सुबह से 8 अक्टूबर की सुबह तक पुलिस ने नो-एंट्री में प्रवेश करने वाले 12 भारी वाहनों के चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की है. साथ ही, उन्हें प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने और प्रतिबंधित मार्गों तथा निर्धारित समय का ध्यान रखने के लिए हिदायत दी. पुलिस ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी और नागरिकों की सुरक्षा व यातायात सुचारू बनाए रखने के लिए निगरानी लगातार जारी रहेगी.

युवक से धारदार चाकू बरामद, गिरफ्तार

इंदौर. तेजाजी नगर पुलिस ने देर रात गश्त के दौरान एक युवक को अवैध चाकू रखने के आरोप में पकड़ा है. उपनिरीक्षक राकेश सोलंकी की टीम ने कैलोद करताल रोड पर संदिग्ध रूप से घूम रहे अभिषेक उर्फ चिन्ना उर्फ अभी उर्फ लक्ष्य निवासी द्वारकापुरी, गांधी चौक, गणेश पान दुकान के पास को रोका. तलाशी में उसके पास से लोहे का धारदार, नोकदार और तड़तड़ीदार चाकू बरामद हुआ. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई की है.

एम्पायर मार्केट प्लेस में चोरी

इंदौर. कनाड़िया थाना क्षेत्र स्थित एम्पायर मार्केट प्लेस में अज्ञात चोर ने जॉकी कंपनी के स्टोर को निशाना बनाते हुए दो मोबाइल फोन और नकदी पर हाथ साफ कर दिया. फरियादी अजय अग्रवाल निवासी प्रगति विहार कॉलोनी ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि 4 अक्टूबर की रात किसी अज्ञात व्यक्ति ने स्टोर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और वहां रखे एक वनप्लस 6 व एक रेडमी नोट 7एस मोबाइल के साथ कैश काउंटर में रखे 6400 रुपए चुरा लिए. पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की है.

ट्रैफिक हेल्पलाइन पर 19 शिकायोंत का तुरंत समाधान

इंदौर. शहर में सुगम और सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस निरंतर प्रयास कर रही है. इसी क्रम में इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा जारी व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर पर नागरिकों की शिकायतें दर्ज की जा रही हैं. हेल्पलाइन पर 25 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 19 का तुरंत निराकरण कर दिया. अधिकांश शिकायतें स्कूल बसों के सड़क पर खड़े होने, बाजारों में लोडिंग व ई-रिक्शा के कारण जाम, नो-पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़े करने, प्रेशर हॉर्न बजाने और तेज गति से वाहन चलाने को लेकर थीं. ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई की गई है, जबकि शेष छह शिकायतों पर कार्यवाही जारी है. पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात संबंधी किसी भी समस्या के लिए हेल्पलाइन नंबर पर जानकारी दें, ताकि तुरंत समाधान किया जा सके.

इंदौर के ट्रांसपोर्टरों ने समाप्त किया अनिश्चितकालीन बंद

- नो-एंट्री व्यवस्था पर प्रशासन से बनी सहमति

इंदौर. शहर में जारी ट्रांसपोर्टरों का अनिश्चितकालीन स्वैच्छिक बंद बुधवार को समाप्त कर दी है. जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन से हुई सार्थक चर्चा के बाद ट्रांसपोर्ट संगठनों को नो-एंट्री व्यवस्था में आवश्यक छूट और दिशा-निर्देश लिखित रूप में प्रदान किए हैं.

एसोसिएशन ऑफ पार्सल ट्रांसपोर्ट एंड फ्लीट ओनर, इंदौर, इंदौर ट्रक ऑपरेटर एंड ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन और देवास नाका ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से यह घोषणा की.

संगठनों ने बताया कि ट्रांसपोर्ट व्यापार अब सामान्य रूप से प्रारंभ किया जाएगा. संगठनों ने कहा कि यह सफलता सभी ट्रांसपोर्ट बंधुओं की एकजुटता और सहयोग से संभव हो सकी है. साथ ही उन्होंने व्यापारिक संस्थाओं, मीडिया और प्रशासन का भी आभार व्यक्त किया. संयुक्त बयान में कहा गया है, एकता ही हमारी शक्ति है, और इसी एकजुटता से ट्रांसपोर्ट उद्योग की समस्याओं का समाधान संभव हुआ है. अब शहर में मालवाहक वाहनों की आवाजाही प्रशासन द्वारा तय नई व्यवस्था के अनुसार की जाएगी, जिससे ट्रैफिक और व्यापार दोनों में संतुलन बना रहेगा.

घर में घुसकर की पिटाई और कार में तोड़फोड़

पीड़ित ने दर्ज कराई शिकायत

इंदौर. बाणगंगा थाना क्षेत्र में रात ढाई बजे के आसपास हुई हिंसक झड़प में एक व्यक्ति पर कथित रूप से हमला कर घायल करने और घर के बाहर खड़ी गाड़ी के कांच तोड़ने का मामला दर्ज किया. पीड़ित ने आरोप लगाया है कि बदमाशों ने धमकियाँ भी दीं और कहा कि आगे शराब पीने पर जान तक ले लेंगे. घटना देर रात लगभग 12.30 बजे आधी रात के आसपास कई लोग पीड़ित के घर पहुंचे और उस पर गालियाँ बकने लगे. जब पीड़ित ने विरोध किया तो आरोपी पत्थर फेंकने लगे. पत्थरों से घर के सामने खड़ी ईको कार एमपी 09 सीके 2462 के सामने, पीछे व साइड के सभी कांच टूट गए. मायूस व घबराए हुए पीड़ित ने दरवाजा बंद करने की कोशिश की, लेकिन आरोपितों ने दरवाजा धक्का देकर घर के अंदर धक्का-मुक्की कर घुस आए और हाथ-पैर व ढेर सारी मारपीट की. पीड़ित के अनुसार, इस दौरान टीटी बोरासी नामक एक व्यक्ति ने किसी नुकीली वस्तु से उसके दाहिने हाथ की हथेली पर वार किया, जिससे खून बहने लगा. आरोपियों ने मौके पर कहा कि आज तो बच गया, अगली बार शराब पीने पर जान से मार देंगे. पीड़ित ने बाणगंगा थाने में मामला दर्ज कराया है. शिकायत में आरोपितों के नाम- घनश्याम, सानू, टीटी बोरासी, विशाल व अमित बढाना तथा उनकी स्थानीय निवासी प्रविष्टियाँ बताई गई हैं.

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

- इंदौर-उज्जैन हाईवे पर ट्रक ने मारी थी टक्कर
- परिवार के चार लोग हो गए थे घायल

इंदौर. मंगलवार देर रात इंदौर-उज्जैन हाईवे पर शिप्रा के पास हुए सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसा अर्जुन बड़ौद गांव के पास हुआ, जब अंकित पिता गोपाल देवड़ा अपनी पत्नी रूपाली और दो छोटे बच्चों गोरांश व हशिंका के साथ बाइक से लौट रहे थे.

अचानक सामने से आ रहे ट्रक एमपी 09 जीएच 3057 ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी. ट्रक बाइक को कई फीट तक घसीटता हुआ ले गया, जिससे चारों सड़क पर गंभीर रूप से घायल हो गए. राहगीरों ने तुरंत उन्हें देवास सिविल अस्पताल पहुंचाया. अस्पताल में अंकित की हालत गंभीर देख उसे एमवाय अस्पताल, इंदौर रेफर किया, लेकिन देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. प्रत्यक्षदर्शियों ने आरोप लगाया कि हादसे के बाद एम्बुलेंस मौके पर देर से पहुंची, जिससे घायलों को तत्काल मदद नहीं मिल सकी. पुलिस ने बताया कि दुर्घटना की जांच शुरू कर दी गई है और ट्रक चालक की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी.

डॉक्टर की गिरफ्तारी के विरोध में किया प्रदर्शन

इंदौर. कफ सिरप से बच्चों की मौत के मामले में छिंदवाड़ा के डॉक्टर प्रवीण सोनी की गिरफ्तारी के विरोध में आज हुकुमचंद अस्पताल के डॉक्टरों ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया. उन्होंने नाराजगी जताई कि डॉक्टरों पर कार्रवाई अनुचित है और असली जिम्मेदारी संबंधित विभागों व अन्य लोगों की है.

बता दें कि हाल ही में मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा और राजस्थान में जहरीली कफ सिरप के कारण कई बच्चों की मौत हुई थी. छिंदवाड़ा में सर्वाधिक मौतें दर्ज हुई हैं. इंदौर के डॉक्टरों का कहना है कि आरोपित डॉक्टर ने केवल चिकित्सकीय प्रिस्क्रिप्शन दिया था और उनकी कोई लापरवाही नहीं थी. उन्होंने प्रशासन से अपील की कि दोषियों की पहचान सही तरीके से कर कार्रवाई की जाए.

समस्या ▸ शहर के अंदर तक आने के लिए देना पड़ रहा अतिरिक्त किराया

नया बस स्टेण्ड यात्रियों के लिए बना परेशानी का सबब

इंदौर. आखिरकार नवलखा चौराहे के पास बने अस्थाई बस स्टैंड को शहर की सीम के पास स्थानांतरित कर ही दिया जिसके बाद प्रदेश में इसकी चर्चा होने लगी. इसकी सफलता की चर्चा सिर्फ पार्टी स्तर पर ही सीमित रह गई क्योंकि इसका खामियाजा आम जनता को जो भुगतना पड़ रहा है. यह पीड़ा तो सिर्फ वही जानती है.

शहर की यातायात व्यावस्था को सुधारने के लिए पिछले दिनों नवलखा अस्थाई बस स्टैंड को न्यू आरटीओ के पास स्थानांतरित कर दिया गया. अब यहां से सैकड़ों बसें सुचारू रूप से संचालित हो रही है. शासन-प्रशासन द्वारा नया बस स्टैंड तो कर दिया गया लेकिन यात्रियों की समस्याएं बढ़ गई हैं. उदाहरण के तौर पर जिस यात्री को अपने गांव से शहर के अंदर नवलखा बस स्टैंड तक आने में ढाई सौ रूपए लगते थे, अब उसी यात्री को केवल नए बस स्टैंस तक के ढाई सौ रुपए देना पड़ रहे हैं. शहर के अंदर नवलखा आने तक टैक्सी का किराया दो से ढाई सौ रूपए तक देना पड़ रहा है. यात्रियों के लिए टैक्सी चालकों में झगड़े की स्थिति बनती है. रात्रीकालीन बसों से उतने वाली महिलाएं असुरक्षित महसूस कर रही हैं क्योंकि नए बस स्टैंस से पालदा नाका तक का पूरा मार्ग रात को सुनसान हो जाता है.

इनका कहना है...

गांव से शहर तक दो बार पैसा खर्च हो रहा है. यात्रियों पर किराए की डबल मार पड़ रही है. शासन बसों के किराए में कटौती करे या फिर नवलखा तक फ्री सेवा दे.

- संतोष शिंदे, सतवास

महंगे किराए के करण नौकरी करने वालों को बेरोज़गारी झेलनी पड़ेगी. वहीं व्यापारी भी विकल्प ढूंढेगा. इससे शहर पर बुरा असर पड़ने वाला है. तीन ईमली बस स्टैंड स्थान बहुत अच्छा विकल्प था.

- योगेश सिंगनाथ, हरदा

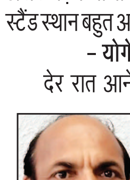

देर रात आने वाली बस से आने वाले यात्रियों को शहर में जाने के लिए टैक्सी एकमात्र साधन है. रात में सिटी बस बंद हो जाती है जिसके बाद मनमाना टैक्सी भाड़ा वसूलते हैं.

- गोपाल कुश्वाह सतवास